स्थापना के 50 वर्ष

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल

स्वर्ण जयंती वर्ष 2010-2011

डॉ. (श्रीमती) आभा भार्गव
प्राचार्य

रविन्द्र यती
अध्यक्ष
जनभागीदारी समिति

दूरभाष : 0755-2551460, फैक्स : 0755-2551460
E-mail : hegamvmbho@mp.gov.in   www.mp.gov.in/highereducation/mvmbpl

स्वर्ण जयंती वर्ष 2010-2011

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल

50 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा का संक्षिप्त विवरण

प्रेरणा : डॉ. (श्रीमती) आभा भार्गव
प्राचार्य

परिकल्पना एवं संकलन

- डॉ. माधुरी मोडक
- डॉ. जी.पी. सिंह
- डॉ. संजय दीक्षित
- श्री इज़हार अहमद

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल
पचास वर्षीय स्वर्णिम यात्रा

देश के हृदयस्थल, मध्यप्रदेश की सुरम्य राजधानी भोपाल में विज्ञान शिक्षा का केन्द्रबिन्दु एवं प्रदेश की विकासात्मक नीतियों का निर्धारक, मुख्य राजनीतिक स्थल यानि पुरानी विधानसभा भवन का पड़ौसी एवं मुहावरो में प्रयुक्त एवं प्रसिद्ध छोटा भोपाल ताल के किनारे, लगभग 15 एकड़ के नैसर्गिक सौंदर्य के मध्य स्थित, शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय की 50 वर्षीय अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय यात्रा उपरान्त, स्वर्णिम मंजिल तक पहुँचने की खुशनुमा एवं गौरवशाली उपलब्धि पर ''स्वर्ण महोत्सव'' का आयोजन किया जा रहा है।

इस महाविद्यालय की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी अत्यंत रोमांचक व गौरवशाली है। देश के प्रथम नागरिक एवं राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा इस भवन का शिलान्यास 19 जुलाई 1958 को एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा 7 नवम्बर, 1960 को इसका लोकार्पण एवं उनके पिता व प्रसिद्ध बैरिस्टर श्री मोतीलाल नेहरू के नाम से इसे अलंकृत एवं नामित किया गया।

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, मध्य प्रदेश के प्रमुख महाविद्यालयों में से एक है जहाँ केवल विज्ञान संकाय में अध्ययन–अध्यापन होता हैं।

महाविद्यालय का परिसर अत्यंत विशाल है। इसके मुख्य द्वार से झील का किनारा दिखाई देता है जो अपने आप में एक विहंगम दृश्य है। महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन का नामकरण पूर्व छात्र स्व. मेजर अजय प्रसाद की स्मृति में किया गया है। इस भवन में प्राचार्य का कार्यालय है। इसके साथ भूतल पर ही भूविज्ञान विभाग और प्रथम तल पर संख्यिकी, सैन्य, गणित और भौतिकी विभाग स्थित हैं। इससे लगे हुए द्वितीय खण्ड को अश्फाकउल्लाह खाँ भवन कहा जाता है जिसके भूतल पर कंप्यूटर, भौतिक तथा रसायन शास्त्र की प्रयोगशालाएं और प्रथम तल पर प्राणी एवं वनस्पति शास्त्र की प्रयोगशालाएं और हिन्दी, अंग्रेजी विभाग स्थित हैं। आगे जाने पर सी. व्ही. रमन भवन अर्थात तृतीय खण्ड आता है जहाँ भूतल पर रसायन शास्त्र विभाग और प्रथम तल पर वनस्पति तथा प्राणि शास्त्र विभाग हैं। चतुर्थ खण्ड "कुशाभाउ ठाकरे" भवन कहलाता है जिसमें केवल अध्ययन कक्ष हैं। महाविद्यालय में कुल 22 अध्ययन कक्ष और विषयवार स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की प्रयोगशालाएं हैं। स्नातकोत्तर कक्षाओं की प्रयोगशालाओं में ही सैध्दांतिक अध्यापन की व्यवस्था है। पंचम खण्ड में इंदिरा गांधी पुस्तकालय एवं वाचनालय है। इसी से लगा हुआ शहीद भगतसिंह सभा कक्ष स्थित है। इसी भवन में इग्नू का अध्ययन केंद्र भी स्थापित है जहाँ से सैंकडों सुदूर अंचलों में रहने वाले विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

इस महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त लगभग 2100 विद्यार्थियों के बहुआयामी एवं सर्वांगीण विकास हेतु, पारम्परिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक शिक्षण के साथ–साथ, उन्हें अनुशासित, शिक्षित नागरिक बनाने के लिए नेशनल कैडेट कोर यानि एन.सी.सी. की तीनों इकाईयां अर्थात एअर, नेवी एवं आर्मी विंग्स सक्रिय रूप से, तीन पृथक एन.सी.सी. अधिकारियों के नेतृत्व में प्रभावशील हैं। जहॉ प्रतिवर्ष लगभग 250 अनुशासित कैडेट्स तैयार होते हैं। इनमें से चयनित कैडेट्स, नई दिल्ली में प्रतिवर्ष आयोजित आर.डी.सी. परेड में, महाविद्यालय एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अन्य अनेक कैडेट्स विद्यार्थी, थल सेना, वायु सेना एवं नौ सेना के राष्ट्रीय कैंप में भाग लेते हैं और रक्षा सेवाओं में चयनित होते हैं।

इन कैडेटस ने महाविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया है। कारगिल में शहीद हुए मेजर अजय प्रसाद ने

यहीं से शिक्षा प्राप्त की है। 1990 में मिग–21 उडाते समय शहीद हुए अनिलराज भी इसी महाविद्यालय के विद्यार्थी थे। एन.सी.सी. की छात्रा पूजा वानखेडे ने चिल्का में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया और महाविद्यालय के साथ ही प्रदेश का गौरव बढाया। गत वर्ष एअर विंग दिवाकर मुखर्जी, महेंद्र पाटीदार, कृष्णप्रताप सिंह तोमर और अनिल मंडलोई ने गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। रैना त्रिपाठी, राशिद खान, मयंक और भारती ने अखिल भारतीय वायु सैनिक शिबिर, बैंगलोर में भाग लिया। आरमी के छात्र अजय सिंह का भारतीय नौसेना में चयन हुआ है।

विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना एवं सामाजिक सरोकार की भावना विकसित करने के लिए, राष्ट्रीय सेवा योजना अर्थात एन.एस.एस. प्रभावी रूप से कार्यशील है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से आयोजित एन.एस.एस. कैंप के माध्यम से, विद्यार्थी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रचनात्मकता, प्रबंधन, जागरूकता, निर्माण कार्य, सामाजिकता, परस्पर सौहार्द्यपूर्ण सामन्जस्य, ब्लड डोनेशन एवं इसकी उपयोगिता सीखते एवं आम व्यक्तियों को सिखाते हैं। महात्मा गाँधी की जन्म शताब्दी वर्ष से महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रारंभ हुआ। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों ने श्रमदान एवं लोकजागरण द्वारा अनेक गांवों के विकास में सहयोग किया है।

विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सक्षम बनाने के लिए, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित जिम्नेजियम, लगभग सभी प्रकार के खेल एवं संबंधित सामग्री एवं मैदान, इस महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार की खेल–कूद की प्रतिस्पर्धात्मक प्रतियोगिताऐं, दो सक्षम क्रीड़ा अधिकारी की देख–रेख में आयोजित की जाती हैं।

क्रीडा विभाग को मेजर ध्यानचंद के नाम से जाना जाता है। यहाँ की उन्नत जिम इसकी विशेषता है। क्रीडा अधिकारी विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिये सतत तत्पर रहते हैं। इस क्षेत्र से उभरी अनेक प्रतिभाओं ने सफलता के उच्च शिखर को छुआ है। रमन पटटानी, सुहेल अंसारी क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी के खिलाडी रहे हैं। सुनीता रथ ने बेडमिण्टन में अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन स्तर तक विजय प्राप्त की। नावेद शबकत अंतरविश्वविद्यालयीन टेबल टेनिस में अखिल भारतीय स्तर पर विजय ध्वज फहराया। कुलवंत सिंह गिरी ने अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

विद्यार्थियों की गायन, वादन, नृत्य, नाटक, ड्राइंग एवं पेंटिंग संबंधी नैसर्गिक प्रतिभा को, विभिन्न सास्कृतिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन से निखारा एवं सराहा जाता है। यही प्रतिभा संपन्न विद्यार्थी वार्षिक "युवा उत्सव" के माध्यम से महाविद्यालय एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विद्यार्थियों में साहित्यिक अभिरूचि विकसित करने एवं तत्संबंधी अभिरूचि एवं प्रतिभा के विद्यार्थियों के लिए, कविता एवं निबंध लेखन, तात्कालिक भाषण, वाद–विवाद एवं क्विज़ का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों की उत्कृष्ट, स्वलिखित रचनाओं को, महाविद्यालय की वार्षिक साहित्यिक पत्रिका "आयाम" में प्रकाशित कर, उन्हें प्रोत्साहित किया जाता हैं।

महाविद्यालय के लगभग 95 प्रतिशत प्राध्यापक डॉक्टरेट की उपाधि से विभूषित हैं तथा अनेक शोध कार्य से जुडे हैं। ये प्राध्यापक सेमिनार, कार्यशाला आदि में भाग लेते रहते हैं और अपने ज्ञान को अद्यतन बनाये रखने के लिये सतत प्रयत्नशील हैं। विद्यार्थियों को मार्गदर्शन के साथ साथ पुस्तकें भी उपलब्ध कर देते हैं। सभी विभागों में कंप्यूटर भी है जिसके द्वारा विद्यार्थियों को इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

"मील के पत्थर"

50 वर्षीय शैक्षणिक यात्रा के दौरान इस महाविद्यालय ने अनेक उल्लेखनीय "मील के पत्थर" स्थापित किए हैं, यद्यपि अनेक, अभी और, स्थापित किए जाने शेष हैं।

महाविद्यालय की विशेष उपलब्धियॉ इस प्रकार हैं –

1) पारंपरिक गणित एवं विज्ञान विषयों के साथ, भू–विज्ञान, सैन्य विज्ञान एवं सांख्यिकी विषयों के साथ शुरू हुए इस महाविद्यालय में, स्नातक स्तर पर, स्ववित्तीय योजना के अन्तर्गत, नवीन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम जैसे – Microbiology, Biotechnology, Seed Technology, Industrial Microbiology, Computer Science, Electronics & Electronic equipment संचालित हैं।

   इस प्रकार सीमित विषय समूहों के साथ प्रारम्भ हुए इस महाविद्यालय में, वर्तमान में स्नातक स्तर पर 21 विषय समूह एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 9 विषयों में उपाधि पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

2) विगत 50 वर्षें में, एक लाख से अधिक, शिक्षित व संस्कारी विद्यार्थियों ने, प्रदेश, देश एवं विदेशों में इस महाविद्यालय के नाम को रोशन किया है।

इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सेवा एंव व्यवसाय के लगभग सभी क्षेत्रों, विशेष रूप से राज्य एवं राष्ट्रीय राजनीति, राष्ट्रीय खेल, प्रशासनिक क्षेत्र, रक्षा सेवा, उच्च शिक्षा, एवं उत्कृष्ट शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय एवं प्रदेश का परचम् लहराया है। जिनका व्यक्तिगत उल्लेख करना गर्व का विषय है।

राजनीति क्षेत्र में प्रमुख नाम हैं –

1. सुश्री नज़मा हेपतुल्ला, राज्यसभा की पूर्व उप–सभापति
2. श्री चरणदास महंत
3. श्री राज कुमार पटेल
4. श्री अशोक जैन भाभा

राष्ट्रीय खेल में – श्री मीररंजन नेगी, राष्ट्रीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर

प्रशासनिक क्षेत्र में –

1. सुश्री आशा गोपाल, म0प्र0 की पहली महिला, आई.पी. एस. श्री अभिषेक कुमार सिंह IPS, IGP,
2. श्री वरूण भूगॉवकर, भारतीय वन सेवा, वर्तमान में सिवनी जिले के डी.एम.ओ.
3. डॉ0 इंद्रजीत राई, नेपाल सरकार में सलाहकार
4. श्री सलीम रोमानी, सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर बोर्ड के सेवानिवृत्त चेयर मैन
5. श्री देवाशीष बोस, सुरक्षा प्रमुख, इंडियन एअर लाईंस, कोलकता
6. श्री आर.एल. साहू, भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण के डायरेक्टर
7. श्री आर.के. शर्मा, निदेशक, डी.जी.एम. म0प्र0
8. श्री ए.के. दत्ता, भारतीय वन सेवा अधिकारी व बी.सी.सी. आई. के सलाहकार
9. श्री एस.के. त्रिवेदी, निदेशक, डी.जी.एम. छत्तीसगढ़
10. श्री शैलेन्द्र दुवे, मुख्य प्रबंधक, म0प्र0 खनन निगम
11. श्री जयंत डिड्डी, अतिरिक्त कमीशनर, आयकर विभाग
12. श्री राजकुमार घोष, उपायुक्त , आयकर विभाग
13. श्री जगदीश आर. सालिगराम – भारतीय पुलिस सेवा, नागालैंड में पुलिस कमिश्नर

उत्कृष्ट शोध के क्षेत्र में – डॉ0 वर्षा परशुरामी – जिनका टिशू कल्चर पर शोध पत्र, विश्व के सर्वोत्कृष्ट शोध पत्रिका "नेचर" में प्रकाशित हुआ।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम पदो तक पहुँचने वालों में –

1. डॉ0 संतोष कुमार – पूर्व उप कुलपति, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल।
2. डॉ0 रवि प्रकाश माथुर – पूर्व उप कुलपति।
3. डॉ0 शशि राय – पूर्व स्नातकोत्तर प्राचार्य एवं नेक तथा यू.जी.सी. के सदस्य।
4. डॉ. प्रमिला मैनी – नैक पीयर टीम की सदस्य
5. डॉ0 रजनी जोशी – प्रोफेसर आई.आई.टी. बाम्बे। जूनि. साइंटिस्ट पुरस्कार मा. राष्ट्रपति द्वारा प्राप्त।

रक्षा सेवा में –

1. शहीद मेज़र अजय प्रसाद – कारगिल युद्ध में अपनी जान की बाजी लगाने वाला शहीद, जिसकी याद में महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन का नामकरण किया गया है।
2. शहीद कर्नल श्रेयांश गॉधी
3. कर्नल राहुल चंद्रा – वर्तमान में एन.सी.सी. भोपाल में ग्रुप कमांडर।
4. कमांडर उदय सिंह – सेवानिवृत्त।
5. त्रिलोचन सिंह – भारतीय नौसेना के कमाण्डो

<u>महाविद्यालय के पुरस्कृत विद्यार्थी एवं शिक्षक –</u>

1. डॉ0 एस.एस. पागे – पूर्व प्राध्यापक एवं 1998 में राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्राप्त।
2. डॉ0 एस.के. कुलश्रेष्ठ एवं डॉ0 पी.बी. चक्रवर्ती – म0प्र0 हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रदत्त स्व0 डॉ0 शंकर दयाल शर्मा सृजन सम्मान पुरस्कार
3. डॉ0 ए.के. जैन – इंदिरा गॉधी प्रियदर्शिनी पुरस्कार एवं लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड
4. प्रो. ओ. एन. हाण्डू (सेवानिवृत) : देश के प्रख्यात ब्रायोलॉजिस्ट हैं।
5. डॉ. एस. जी. टण्डन (सेवानिवृत) अंतर्राष्ट्रीय "वैण्टॉफ एवार्ड" से सम्मानित, ख्यातिप्राप्त रसायनविद एवं महाविद्यालय के प्रथम पी. एचडी. उपाधि प्राप्तकर्ता।
6. डॉ. सतीश मेहता (सेवानिवृत) – भौतिक शास्त्र के ज्ञाता तो हैं ही, रंगमंच के जाने माने कलाकार एवं निर्देशक हैं।

3) महाविद्यालय में हुए शोध कार्य का विवरण – विगत 50 वर्षों में लगभग 500 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई है तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में लगभग 1500 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं।
महाविद्यालय में पदस्थ अधिकांश प्राध्यापक पीएच.डी. उपाधि प्राप्त हैं साथही विभिन्न शोध कार्यों में संलग्न है।

अ) सैन्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 कैलाश त्यागी, इस महाविद्यालय के एक मात्र डी.लिट्. उपाधि प्राप्त प्राध्यापक है।

ब) महाविद्यालय के कुछ शिक्षक शोध कार्य बावत् विदेश गये , जैसे– डॉ0 आलोक रस्तोगी, यू.के., डॉ0 ए.एस. यादव यू.एस.ए. एवं डॉ0 गीता अग्रवाल कनाड़ा गयी है।

स) शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण बावत् विदेशों में आमंत्रित महाविद्यालय के शिक्षकों में प्रमुख हैं – डॉ0 आर.एस. रघुवंशी – नार्वे में शोध पत्र पढ़ा, डॉ0 आर.के. तेनगुरिया – थाईलैंड गए, डॉ0 शुभ्रा त्रिपाठी – वर्तमान में चीन में आमंत्रित प्रोफेसर।
इसके अतिरिक्त यू.जी.सी., एम.पी.सी.एस.टी., आई0सी0एम0आर0 के कई मेज़र व माइनर शोध परियोजनाओ का संचालन व नेतृत्व महाविद्यालयीन शिक्षकों, डॉ0 वी.के. पाराशर, डॉ0 प्रवीर्ण तामोट, डॉ0 संतोष भार्गव एवं डॉ0 रूचिरा चौधरी द्वारा किया जा रहा है।

द) डॉ0 डी.आर. तिवारी द्वारा भू–विज्ञान विषय पर 20 पुस्तकों का लेखन किया है।

4) विगत 50 वर्षें में, ऐसे विद्यार्थियों की एक लम्बी सूची है, जिन्होंने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न विषयों मे बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लगभग प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में आशानुरूप अवश्य होते है।

5) महाविद्यालय के लगभग 500 भूतपूर्व विद्यार्थियों का एक सशक्त संगठन निर्मित हुआ है, जो महाविद्यालय के विकास में अपनी भूमिका निर्वहन कर रहा है। स्वर्ण महोत्सव आयोजन के दौरान, एक दिन का आयोजन, इस "भूतपूर्व छात्र संगठन" को समर्पित है।

6) इस महाविद्यालय में, इंदिरा गॉधी नेशनल ओपन यूनीवर्सिटी का, म0प्र0 का सबसे बड़ा अध्ययन केन्द्र है, जिसमें 2800 से अधिक विद्यार्थी स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विभिन्न पाठ्यक्रम से सम्बद्ध है।

7) सन् 2006 से प्रभावी, म0प्र0 शासन की, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, के अन्तर्गत विगत चार वर्षों में लगभग 400 महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए है।

8) महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 कैलाश त्यागी द्वारा इन्डो–यूएस संबंधों पर लिखी पुस्तक का हाल ही मैं माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा विमोचन किया गया। भारत के थल सेना अध्यक्ष जनरल बी.के. सिंह, डॉ0

"स्वर्ण महोत्सव"

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय

कार्यक्रम की प्रस्तावित रूपरेखा - 23 नवम्बर 2010

12.00	महामहिम का आगमन
12.00–12.03	राष्ट्रगान
12.03–12.05	अतिथियों द्वारा स्थान ग्रहण
12.05–12.15	दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना
12.15–12.25	अतिथियों का स्वागत
12.25–12.35	प्राचार्य डॉ. आभा गार्गव द्वारा स्वागत तथा प्रगति प्रतिवेदन
12.35–12.40	जनभागीदारी अध्यक्ष श्री रविंद्र यति द्वारा स्वागत भाषण
12.40–12.45	सामूहिक गान
12.45–12.50	"स्वर्ण जयंती समारोह" के प्रतीक चिन्ह का अनावरण तथा उद्घाटन की घोषणा
12.50–12.55	विधायक, माननीय श्री ध्रुवनारायण सिंह का उदबोधन
12.55–01.10	अध्यक्ष : श्री लक्ष्मीकान्त शर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री, म. प्र. शासन द्वारा उदबोधन
01.10–01.25	माननीय महामहिम राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर द्वारा उद्बोधन
01.25–01.30	आमंत्रित मेहमानों को प्रतीक चिन्ह की भेंट
01.30–01.35	छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन
01.35–01.40	राष्ट्रगान एवं कार्यक्रम समाप्ति
01.40	अतिथियों हेतु स्वल्पाहार

स्वर्ण जयंती समारोह पर घोषित पुरस्कार

« एम. व्ही. एम. रत्न : 2010 – 11 से कक्षा में उपस्थिति सहित सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को रू. 5000 – प्राचार्या डॉ. आभा गार्गव द्वारा

जून 2010 के परीक्षा परिणाम पर आधारित (निरंतर) पुरस्कार–

महाविद्यालय में स्व0 आर.जी. देव स्मृति छात्रवृत्ति, प्रति वर्ष स्नातक स्तर पर गणित विषय में उच्चतम अंक प्राप्त विद्यार्थी को दी जाती रही है। इसके अतिरिक्त निम्न छात्रवृत्तियॉ/पुरस्कार प्रस्तावित है :–

« **डॉ. शांता रामचंद्रन स्मृति पुरस्कार :**

वे महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं प्राध्यापिका भी रही हैं। रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को रू. 5000 – डॉ. उषा नायर द्वारा।

« **श्रीमती श्यामाबाई श्रीवास्तव स्मृति पुरस्कार :**

सभी विषयों में स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को रू. 5000– प्रो. रमेश श्रीवास्तव द्वारा।

« **श्रीमती गीतादेवी त्यागी स्मृति पुरस्कार :**

स्नातक स्तर पर सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को रू. 5000 – डॉ. कैलाश त्यागी द्वारा।

स्वर्ण जयंती सत्र में होने वाले कार्यकम : 1 दिसम्बर से 15 फरवरी के बीच

अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताएं–

सांस्कतिक : अंताक्षरी

विज्ञान :

- प्रश्न मंच : विज्ञान एवं वर्तमान मे चर्चित घटनाओं पर आधारित।
- निबंध : पूर्व घोषित विषय पर निबंध लेखन।
- पोस्टर : दिये गये विषय से संबंधित पोस्टर प्रदर्शन।
- विज्ञान मेला : विज्ञान के चल व अचल मॉडल प्रदर्शन।

क्रीडा :

- किकेट का प्रदर्शन मैच – वर्तमान Vs पूर्व छात्र
- किकेट का प्रदर्शन मैच – वर्तमान छात्र Vs प्राध्यापक
- आमंत्रित क्रिकेट मैच : भोपाल संभाग के सभी जिलों से 16 वर्ष से कम आयु वाले बालकों की आमंत्रित टीमें भाग लेंगी।

महाविद्यालयीन प्रतियोगिताएं–

सांस्कतिक : छात्र–छात्राओं के लिये– नृत्य, नाटक, मूक /एकल अभिनय, गायन, मिमीकी रंगोली, मेहंदी इत्यादि।

अंताक्षरी – वर्तमान छात्र Vs प्राध्यापक

साहित्यिक : छात्र–छात्राओं के लिये–

वादविवाद, कविता पाठ, तत्कालीन भाषण, परिचर्चा इत्यादि

विज्ञान :

- प्रश्न मंच : विज्ञान एवं वर्तमान मे चर्चित घटनाएं।
- निबंध : पूर्व घोषित विषय पर निबंध लेखन।
- पोस्टर : दिये गये विषय से संबंधित पोस्टर प्रदर्शन।
- विज्ञान मेला : विज्ञान के चल व अचल मॉडल प्रदर्शन।

कीडा :

- छात्रों के लिये – क्रिकेट तथा फुटबॉल
- छात्राओं के लिये – बेडमिंटन तथा टेबल टेनिस
- छात्र–छात्राओं के लिये – एथेलेटिक्स
- प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के बीच – विविध खेल

समापन समारोह : फरवरी का द्वितीय सप्ताह :

प्रथम दिवस : संगीत संध्या

द्वितीय दिवस : पूर्व छात्रों के द्वारा आयोजित कार्यकम

तृतीय दिवस : पुरस्कार वितरण

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

जनभागीदारी समिति(सामान्य परिषद)

1.	श्री रविन्द्र यती	अध्यक्ष
2.	श्री एम. पी. किशोर	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. आभा गार्गव	प्राचार्य एवं पदेन सचिव
4.	श्री जय नारायण चौकसे	सदस्य
5.	श्री अजय त्रिपाठी	सदस्य
6.	श्री अभिषेक दुबे	सदस्य
7.	श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव	सदस्य
8.	श्री सुधीर चन्द्र चौधरी	सदस्य
9.	श्रीमती साधना शर्मा	सदस्य
10.	श्री विनायक पचौरी	सदस्य
11.	श्री मनीष पाण्डे	सदस्य
12.	श्री अशोक बाकुड़े	सदस्य
13.	श्री सिलवानुस कुजुर	सदस्य

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) आभा गार्गव

वनस्पति शास्त्र

1. डॉ. अमरजीत बजाज
2. डॉ. माधुरी मोडक
3. डॉ. सुमन त्रिवेदी
4. डॉ. अनिरूद्ध सिंह यादव
5. डॉ. आर. के. तेनगुरिया
6. डॉ. सुजाता गांगुली
7. डॉ. सन्तोष भार्गव
8. डॉ. ज्योत्सना सिंह
9. डॉ. आशा शर्मा
10. कु. भारती कुमार

रसायन शास्त्र

1. डॉ. कुसुम शर्मा
2. डॉ. सरिता श्रीवास्तव
3. डॉ. अलका प्रधान
4. डॉ. वन्दना शर्मा
5. डॉ. संध्या त्रिवेदी
6. डॉ. ऊषा नायर
7. डॉ. नीलम दुबे
8. डॉ. आनन्द शर्मा
9. डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता
10. श्री सैयद हाशिम रजा
11. डॉ. नीलू सिंघई
12. डॉ. नीलम चोपड़ा
13. डॉ. अनीता दीक्षित
14. डॉ. प्रतिमा कांत
15. डॉ. रोली शुक्ला
16. प्रो. रमा रामकृष्णन
17. डॉ. मनीषा शाक्य
18. श्री सन्तोष अम्भोरे

गणित

1. डॉ. गीता मोदी
2. डॉ. अरविन्द गुप्ता
3. डॉ. अमरदीप सिंह
4. डॉ. उमा व्यास
5. डॉ. गीता अग्रवाल
6. डॉ. अनीता मण्डलोई
7. डॉ. श्रीमती कमल चौबे

8. डॉ. सुषमा दुराफे

भौतिक शास्त्र

1. डॉ. पंकज सिंह
2. डॉ. शिरीष जोशी
3. डॉ. महेन्द्र सिंह
4. डॉ. सुनील मिश्रा
5. डॉ. उमेश कुमार साकल्ले
6. डॉ. मिथिलेश प्रसाद मिश्रा
7. श्रीआयुष हजेला
8. श्री ए.एस.खान
9. डॉ. सीमा हार्डिकर
10. डॉ. ममता पाण्डेय
11. डॉ. संजय दीक्षित
12. डॉ. शालिनी प्रधान
13. डॉ. मनीषा निगम
14. प्रो. पी.सी. माथुर
15. श्री महेन्द्र मेहरा

प्राणी शास्त्र

1. डॉ. उषा तिवारी
2. डॉ. राकेश कुमार सिंह
3. डॉ. प्रवीण तामोट
4. डॉ. कल्पना दवे
5. डॉ. अनीता सिंह
6. डॉ. नीरज़ा श्रीवास्तव
7. डॉ. किरण शर्मा
8. डॉ. अनुजा गुप्ता
9. कु. ज्योति वर्मा
10. डॉ. शैला सतारकर
11. डॉ. रूचिरा चौधरी

भूगर्भ शास्त्र

1. डॉ. विनोद कुमार पाराशर
2. डॉ. विलास एल. पुनवटकर
3. डॉ. आर. एस. रघुवंशी
4. डॉ. जी. पी. सिंह
5. डॉ. एच. यू. उस्मानी
6. डॉ. उमेश श्रीवास्तव
7. डॉ. दीपक राज तिवारी
8. श्री प्रदीप बागड़े

सांख्यिकी

1. प्रो. रमेश श्रीवास्तव
2. प्रो. महेश चन्द्र दुबे
3. डॉ. सुषमा जैन

सैन्य विज्ञान

1. डॉ. कैलाश त्यागी
2. डॉ. रामशंकर वर्मा
3. डॉ. अशोक गुप्ता
4. डॉ. प्रकाश चावरिया
5. डॉ. अशोक कुमार शर्मा

हिन्दी

1. डॉ. सुमन लता अग्रवाल
2. डॉ. वीणा शर्मा

अंग्रेजी

1. डॉ. शुभ्रा त्रिपाठी
2. डॉ. इंदिरा जावेद
3. डॉ. क्रांति वत्स
4. डॉ. पवंन पंडित

खेलकूद विभाग

1. श्री सी. एस. धाकड़
2. श्रीमती सुषमा तिवारी

रजिस्ट्रार

1. श्री इज़हार अहमद

पुस्तकाध्यक्ष

1. श्रीमती शिखा वर्मा

तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सूची

1. श्री राकेश शर्मा
2. श्री एस.पी. गुप्ता
3. श्री बी. के. मिश्रा
4. सुश्री ज्योति केने
5. श्री एल. एन. प्रजापति
6. श्रीमती भारती पंथी
7. श्री एस. एन. प्रजापति
8. श्रीमती शकुन वर्मा
9. श्रीमती चित्रा मुले
10. श्री अलीम कुरैशी

11. श्री एस०सी० शर्मा
12. डॉ. यू. एस. सिंह
13. श्री एस. बी. टेलर
14. श्री हरिप्रसाद शर्मा
15. श्री पी. डी. शांडिल्य
16. श्रीमती सरस्वती मेहरा
17. श्रीमती शाहजहां खान
18. श्रीमती आशा श्रीवास्तव
19. श्री जे. पी. मिश्रा
20. श्री अतुल सक्सेना
21. डॉ. तनवीर खान
22. श्री आरिफ अंसारी
23. श्री राजेन्द्र वर्मा
24. श्री मनोज शर्मा
25. श्री दीपक तिवारी
26. श्री मणीकांत भिड़े
27. श्री संजय झा
28. श्रीमती संतोष शर्मा
29. श्री राजेश गौर
30. श्री जब्बार अहमद
31. श्री शंकर ताजने
32. श्री गुप्तेश्वर सिंह
33. श्रीमती अनिता नमचुरिया
34. श्री किशन वर्मा
35. श्रीमती सुमन यादव
36. श्रीमती सुनीता ठाकुर
37. श्री सुरेश शर्मा
38. श्री राजेश मातुरकर
39. श्री करण सिंह यादव
40. श्री अशोक अहिरवार
41. श्री भास्कर प्रजापति
42. श्री एस. बी. गोप
43. श्री कमलेश लोधी
44. श्री सुरेश माण्डवी
45. श्री दीपक त्रिपाठी
46. श्री मोहन सिंह रजक
47. श्री गेंदालाल
48. श्री जगन्नाथ पंडित
49. श्री मोहनलाल ठाकुर
50. श्रीमती शशि बाथम
51. श्री प्रकाश गेहानी
52. श्री भरत धनोलिया
53. श्री मदनलाल
54. श्री दीपक बाथम
55. श्री बुद्धा
56. श्री ए.आर. खान
57. श्री बद्री प्रसाद नामदेव
59. श्री मनोहर सिंह
60. श्री मासूम
61. श्री बाबूलाल
62. श्री रमेश चौरसिया
63. श्री चांदमियां
64. श्री महाबली चौरसिया
65. श्री महेश मालवीय
66. श्री हरिमोहन तिवारी
67. श्री घीसीलाल
68. श्री अशोक
69. श्री सुरेश
70. श्री रमाकांत नामदेव
71. श्री जितेन्द्र नामदेव
72. श्री गिरजा शरण उपाधयाय
73. श्री सुनील
74. श्री रामरंगीले
75. श्री राजकुमार भगत
76. श्री दीनदयाल पटेल
77. श्री संजय परोचे

स्थापना
के
50 वर्ष

Printed# VarenyamGraphcs-9425007131